

मालियत स्त्री. (अर.) 1. माल का वास्तविक मूल्य, कीमत 2. धन 3. मूल्यवान पदार्थ, कीमती चीज।

मालिया पुं. (देश.) पाल आदि बाँधते समय दी जाने वाली रस्सी में एक विशेष प्रकार की गाँठ।

मालिश स्त्री. (फा.) 1. शरीर पर तेल आदि मलने की क्रिया या भाव, मर्दन 2. रक्त-संचार आदि के लिए शरीर के किसी अंग पर बार-बार हाथ से मलने की क्रिया।

माली वि. (तत्.) जो माला धारण किये हो पुं. 1. वाल्मीकीय रामायण के अनुसार सुकेश राक्षस का पुत्र जो माल्यवान् और सुमाली का भाई था 2. काव्य. राजीव-गण नामक छंद का दूसरा नाम 3. बाग को सींचने और पौधों को ठीक स्थान पर लगाने वाला, बागवान 4. हिंदुओं में उक्त काम करने वाली एक जाति 5. उक्त जाति का व्यक्ति स्त्री. देश. छोटी माला, सुमिरनी वि. (अर.) माल अर्थात् धन या संपत्ति से संबंध रखनेवाला, अर्थ संबंधी, आर्थिक।

माली खूलिया पुं. (अर.) एक प्रकार का मानसिक रोग जिसमें रोगी प्रायः खिन्न या दुःखी और सशंक रहता है, उन्माद।

मालुक पुं. (तत्.) 1. काली तुलसी 2. मटमैले रंग का एक प्रकार का राजहंस।

मालुमात स्त्री. (अर.) 1. जानकारी, ज्ञान 2. किसी बात या विषय की अच्छी और पूरी जानकारी।

मालुवान पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का साँप 2. पुराणानुसार आठ प्रमुख नागों में से एक 3. महापथ।

मालू पुं. (तत्.) एक प्रकार की लता जो पेड़ों से लिपटती है, पत्रलता।

मालूम वि. (अर.) 1. (बात, वस्तु या विषय) जिसका इल्म अर्थात् ज्ञान हो चुका हो, जाना हुआ, ज्ञात, विदित 2. प्रकट, स्पष्ट पुं. जहाज का प्रधान अधिकारी या अफसर।

मालोपमा स्त्री. (तत्.) काव्य. उपमालंकार का एक भेद जिसमें एक उपमेय के अनेक उपमान बतलाये जाते हैं।

माल्यवान् पुं. (तत्.) 1. पुराणानुसार एक पर्वत जो केतुमाल और इलावृत वर्ष के बीच का सीमा-पर्वत कहा गया है 2. सुकेश का पुत्र एक राक्षस जो गंधर्व की कन्या देववती से उत्पन्न हुआ था।

मावला पुं. (देश.) 1. महाराष्ट्र राज्य के पहाड़ों में रहनेवाली एक योद्धा जाति 2. उक्त जाति का व्यक्ति।

मावा पुं. (तद्.) 1. माँड, पीच 2. किसी चीज का सार-भाग, सत्त 3. वह दूध जो गेहूँ आदि को भिगोकर या कच्चा मलकर निचोड़ने से निकलता है 4. दूध का खोआ 5. प्रकृति 6. अंडे के अंदर की जरदी 6. चंदन का तेल या ऐसी ही और कोई चीज जिसमें दूसरी चीजों का सार भाग मिलाकर इत्र तैयार करते हैं 7. एक प्रकार का गाढ़ा लसदार सुगंधित द्रव्य जिसे तमाकू में डालकर उसे सुगंधित करते हैं 8. किसी प्रकार का मसाला या सामग्री 9. हीरे की बुकनी जिससे मलकर सोने-चाँदी के गहने चमकाते हैं।

माशा पुं. (तद्.) आठ रत्ती मान की एक प्रकार की तौल जिसका व्यवहार सोना, चाँदी, रत्नों और ओषधियों के तौलने में होता है।

माशा अल्लाह अव्य. (अर.) एक प्रशंसाचूक शब्द जिसका अर्थ है- वाह बहुत अच्छे या क्या कहने!

माशूक पुं. (अर.) लौकिक अथवा आध्यात्मिक प्रेम-पात्र, प्रिय।

माशूका स्त्री. (अर.) प्रेम-पात्री।

माशूकाना वि. (अर.) 1. माशूक-संबंधी, माशूक का 2. माशूक अर्थात् सुंदरी स्त्रियाँ या प्रेयसियों की तरह का।

माशूकी स्त्री. (फा.) माशूक होने की अवस्था या भाव, प्रेम-पात्रता।